जीवन मूल्य और साहित्य का अन्तर्संबन्ध

डॉ० कुसुम सिंह

विमलेन्दु भूषण द्विवेदी

जीवन और साहित्य का अटूट सम्बन्ध है। जीवन एक विस्तृत फलक है और साहित्य उसी का प्रतिबिम्ब। जीवन मूल्य का कैनवास यथार्थ जगत है और साहित्य उसी का एलबम। इस भांति जीवन मूल्य और साहित्य बोध दोनों एक–दूसरे के ही पर्याय हैं। एक अनुभव की प्रक्रिया है तो दूसरा अनुभूति का विषय। अनुभव बिना जीवन जीये नहीं मिल सकता और साहित्य बिना जीवन के।